हिंदी एसोशिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक - 4 सितंबर 2024

विषय- निबंध प्रतियोगिता

दिनांक 4 सितंबर 2024 को 12:00-1:00 बजे हिंदी एसोसिएशन "ज्ञान मंजुषा" द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के कक्ष संख्या 17 में निबंध प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। प्रतियोगित का विषय विकसित भारत में मातृशक्ति की भूमिका रही।।

इस निबंध प्रतियोगिता में कॉलेज के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर अपनी सहभागिता दी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में विकसित भारत को बनने व बनाने में महिलाओं की भूमिका व उनके योगदान से परिचित कराना था, जो कि इस पुरुषप्रधान देश में महिलाओं की भूमिका अक्सर दब जाती है।यह प्रतियोगिता हिंदी एसोसिएशन "ज्ञान मंजुषा"की संयोजिका डॉ विनीता रानी और डॉ मंजरी गुप्ता के सानिध्य में संपन्न हुआ।

निबंध प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक रहा और सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

हिंदी एसोशिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक -27, सितंबर 2024

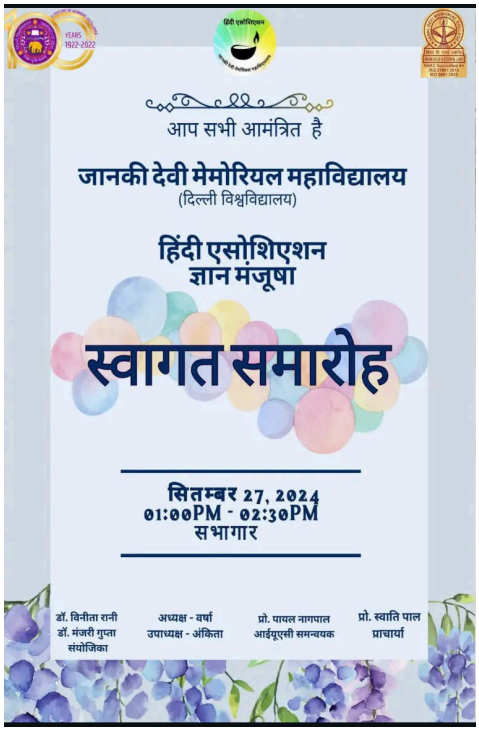

विषय-स्वागत समारोह

वक्ता -दिनांक 27 सितम्बर 2024 को 1:00- 2:30 बजे जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के ऑडिटोरियम में हिंदी एसोसिएशन 'ज्ञान मंजूषा' द्वारा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नवांगतुक प्रोग्राम का आयोजन किया।हिंदी एसोसिएशन की संयोजिका डॉ• विनीता रानी और डॉ मंजरी गुप्ता ने सभी नवांगतुक छात्राओं का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्राचार्या प्रो• स्वाति पाल उपस्थित रहीं। प्रो• स्वाति पाल ने छात्राओं का स्वागत किया उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। प्रथम वर्ष की छात्राओं ने रैंप वॉक के साथ अपना परिचय देते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इस कार्यकम के निर्णायक मंडल में डॉ• विवेक शर्मा और डॉ• मिनाक्षी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में द्वितीय और तृतीया वर्ष की छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुति से कार्यक्रम को ऊर्जावान किया।

कार्यक्रम में प्रथम वर्ष की छात्राओं को प्रथम,द्वितीय व तृतीया पुरस्कार देकर सम्मानित किया।यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

ज्ञान मंजूषा

हिंदी एसोसिएशन

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक :- 30 सितम्बर 2024

विषय :- राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका

दिनांक 30 सितम्बर 2024 को 12:00-1:00 बजे तक ज्ञान मंजूषा , हिंदी एसोसिएशन द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के कक्ष संख्या 17 में व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की वक्ता डॉ सावित्री सिंह रही। उन्होंने अपने व्याख्यान में शिक्षकों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका के विषय में बताया की कैसे शिक्षक मात्र शिक्षा नहीं देते बल्कि वे अपने विद्यार्थियों को राष्ट्र हित के लिए भी प्रेरित करते है। उन्होंने अपने व्याख्यान में सावित्रीबाई फुले , ज्योतिबा फुले जैसे शिक्षकों का उद|हरण दिया। छात्रों को आगे बताते हुए उन्होंने कई ऐतिहासिक तथ्य भी सामने रखे। उन्होंने 1912 में प्रकाशित हुई पुस्तक द ऑटोबायोग्राफी के कई तथ्य रखे। नई शिक्षा नीति के तहत

शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात कही गई जो की सही है क्योंकि इसी के माध्यम से वे अपना सम्पूर्ण विकास जैसी मानसिक , शारीरिक आदि विकास कर पायेंगे ताकि राष्ट्र के हित में अपना योगदान दे। इन सबका उत्तरदायित्व एक शिक्षक के कन्धों पर ही रहता है। उन्होंने अपने व्याख्यान में अपने कुछ अनुभव भी साझा किये। साथ ही उन्होंने एक शिक्षक के व्यक्तित्व को लेकर बात की। उन्होंने कहा की हम सभी के जीवन में कोई ना कोई ऐसा शिक्षक ज़रूर होता है जिससे हम प्रभावित होते है। हम उनसे और उनके व्यक्तित्व से आगे बढ़ने की प्रेरणा लेते है। जो बात सटीक रूप से सत्य है। हम सभी अपने जीवन में अपनी माँ , गुरु , दादी , नानी आदि के व्यक्तित्व से ही जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त करते है।अंत में उन्होंने व्यक्तित्व निर्माण आदि की बात की|आज के कार्यक्रम से छात्राएं बहुत लाभान्वित हुई। व्याख्यान के विषय को लेकर छात्राओं में उत्सुकता भी थी। साथ ही हमे आज के विषय से अपने शिक्षकों की अहम भूमिका का भी पता चला। वे हमारे लिए कितना प्रयासरत रहते है,आज के व्याख्यान से छात्राओं को इसका भी पता चला । उनकी राष्ट्र निर्माण में भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और वे ही ऐसा माध्यम है जो राष्ट्र की उन्नती में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान सदैव से देते आये है। आज का व्याख्यान जितना ज्ञानवर्धक था उससे कही अधिक छात्राओं को लाभान्वित करने वाला भी सिद्ध हुआ। डॉ विनीता रानी ने वक्ता का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा उन्होंने भेंट देकर उनको सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में उप-प्राचार्या प्रो संध्या गर्ग समेत हिंदी विभाग के शिक्षकों की गणमान्य उपस्थिति रही। यह कार्यक्रम ज्ञान मंजूषा की संयोजिका डॉ विनीता रानी तथा सह संयोजिका डॉ मंजरी गुप्ता के सान्निध्य में सकुशल व ज्ञानवर्धन से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ज्ञान मंजूषा

हिंदी एसोसिएशन

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक :- 06 नवंबर 2024

विषय :- नारीवाद दृष्टिकोण से समाज में स्वयं को निरूपित करना

दिनांक 06 नवंबर 2024 को 12:00-1:00 बजे तक ज्ञान मंजूषा , हिंदी एसोसिएशन द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के कक्ष संख्या 17 में व्याख्यान का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सीमा सारोहे उपस्थित रही। डॉ मंजरी गुप्ता ने फूलों का गुलदस्ता देकर आज की वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान पितृसत्तात्मक विचारधारा के विषय में बताया और नारीवाद दृष्टिकोण का आंकलन आंकड़ों के माध्यम से समझाया। उन्होंने अपने व्याख्यान में ज्ञान मीमांसा बदलाव के विषय को बताया की यह किस प्रकार वर्तमान में मौजूद पितृसत्ता को चुनौती देता है। पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में विशेषतः छात्राओं में ज्ञान मीमांसा बदलाव को समझाया जा रहा है। इसके चलते आज की बेटी प्रत्येक क्षेत्र में बेटों से अधिक बढ़ चढ़ कर प्रतिभागी बन रही है और पितृसत्तात्मक सोच रखने वालों को कदम कदम पैर चुनौती दे रही है। उन्होंने अपने व्याख्यान में यह भी कहा की यदि नारीवाद को समझाना है तो सर्वप्रथम नारीवाद दृष्टिकोण और उसका परिचय होना चाहिए। व्याख्यान को अधिक प्रभावशाली बनाए रखने के लिए उन्होंने कुछ सामान्य से प्रश्न छात्रों के मध्य रखे। महिलाओं के मुद्दे क्यों जरूरी है ? इन मुद्दों पैर चर्चा क्यों होती है ? इत्यादि प्रश्न स्वाभाविक

रूप से किसी के भी मन में उठ सकते है। इन प्रश्नों पर चर्चा के समय इनका समाधान संवाद का माहौल तैयार हो और पितृसत्तात्मक सोच रखने वालो को चुनौती देने का साहस महिलाओं में पैदा किया जाये। उन्होंने अपने व्याख्यान में कई आंकड़ों के विषय में बताया। उन्होंने कोविड 19 के दौरान परिवारों में चलने वाली समस्याओं को बताया की किस तरह इस समय में महिलाओं के पास पहले से भी अधिक काम हो गया था। वो बच्चों को संभालती थी और साथ ही उनका गृहकार्य करने में मदद भी करती थी। इतना ही नहीं यूके का शोध कार्य बताता है की जो महिलाये अपने घर से नौकरी कर रही थी उन पर अधिक कार्य घर के साथ साथ नौकरी का भी दायित्व निर्वहन कर रही थी। कई बच्चियों की शिक्षा छूट गई और कई बेटियों के विवाह कर दिया गया। 2019 में आई एनएसएसओ की रिपोर्ट में महिलाओं और पुरुषों के मध्य समय की भागीदारी को लेकर प्रकाशित हुई थी। इस रिपोर्ट के दौरान समय गरीबी का विचार निकलकर आया। इस विचार के अनुसार महिलाओं में रोज़गार को लेकर पुरषों की अपेक्षा कम है। व्याख्यान के विषय को लेकर छात्राओं में उत्सुकता थी. हम सभी आज के व्याख्यान से लाभान्वित हुए। हमने आज नारीवाद दृष्टिकोण के विषय में समझा। हम सभी में जागरूकता उत्पन्न हुई की यदि हम वास्तव में पितृसत्तात्मक समाज को चुनौती देना चाहती है तो हमे अपनी पहचान विकसित करनी होगी। वर्तमान समाज में जो कार्य बेटा करता है वहीँ कार्य आज बेटी भी बखूबी से निभा रही है। आज की महिलाएं ना केवल घर बल्कि बाहर के दायित्व भी निभाती है। फिर भी यदि हम इस दक्खियानूसी सोच को बढ़ावा देंगी या इसका विरोध नहीं करती तो यह हमारी सबसे बड़ी गलती होगी। आज के व्याख्यान के दौरान हम सभी में आलोचनात्मक दृष्टिकोण को देखा गया। मैम ने छात्रों के प्रश्नों का भी समाधान बताया। कार्यक्रम के अंत में डॉ विनीता रानी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए स्त्री विमर्श का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा की महिलाएं कहीं ना कहीं आज भी अपनी अस्मिता की लड़ाई लड़ रही रही है। चाहे वो घरेलु महिला हो या रोजगार प्राप्त महिला समस्या कहीं भी काम नहीं होती है। यह कार्यक्रम ज्ञान मंजूषा की संयोजिका डॉ विनीता रानी तथा सह संयोजिका डॉ मंजरी गुप्ता के सान्निध्य में सकुशल व ज्ञानवर्धन से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हिंदी एसोशिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक -10, दिसम्बर 2024

विषय- "प्रवासी समुदाय में भारतीय संस्कृति और हिंदी"

आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम केंद्र, हिंदी 'एसोसिएशन 'ज्ञान मंजूषा' के सहयोग से" दिनांक 10 दिसंबर,2024 को "प्रवासी समुदाय में भारतीय संस्कृति और हिंदी"विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अनीता वर्मा व राम शर्मा उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि श्री

अनिल जोशी जी रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.स्वाति पाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

"पराग"
हिंदी साहित्यिक संस्था
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक- 4 मार्च 2025

विषय- हिंदी की समृद्धि: भाषिक विविधताएं।

दिनांक 4 मार्च 2025 को 12:00-1:30 बजे हिंदी ऐसोसिएशन "ज्ञान मंजूषा" द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के सम्मेलन कक्ष में व्याख्यान आयोजित किया गया।व्याख्यान में आमंत्रित वक्ताओं प्रो मंजु मुकुल जी और डॉ वेदप्रकाश जी का संक्षिप्त परिचय और लघु पादप देकर उनका स्वागत किया गया। व्याख्यान का आरम्भ प्रो मंजु मुकुल जी ने अपने व्याख्यान के आरंभ कवि गिरीजा कुमार माथुर की पंक्ति"सागर में मिलती धाराएँ, हिन्दी सबका संगम है, शब्द, नाद, लिपि से भी आगे एक भरोसा अनुपम है, गंगा कावेरी की धारा साथ मिलाती हिन्दी है, पूरब/पश्चिम, कमल/पंखुरी सेतु बनाती हिन्दी है।"से किया।।उन्होंने जॉर्ज यूल की भाषा की परिभाषा का उदाहरण दिया,A "language community" refers to a group of people who share a common language. उन्होंने कहा भाषा परंपरा है विरासत है व्याकरण मनोवैज्ञानिक स्थित है जो व्यक्ति निरक्षर हैं वह भी व्याकरण से बंधी भाषा बोलते हैं। भाषा तब तक जीवित रहेंगे जब तक समाज में स्त्रियां है क्योंकि मां ने ही भाषा को संभाल कर रखा है,बच्चा पहले मातृभाषा सीखता है और बोलता है जो उसे उसकी मां सिखाती है।भाषा की समृद्धि उसके भाषिक समुदाय से जुड़ी है भाषिक समुदाय का ज्ञान भंडार कितना विकसित है वह उसे पर निर्भर है शब्द बताते हैं कि बोलने वाला कितना ज्ञानी है इसी के साथ उन्होंने अपने व्याख्यान पर विराम दिया।

डॉ वेदप्रकाश जी ने इस व्याख्यान को आगे बढ़ते हुए कहा भारत बोध से हम तब तक जुड़ पाएंगे जब तक हम स्व से जुड़ेंगे। उन्होंने 'मैथिलीशरण गुप्त' की भारत भारती का उदाहरण दिया उन्होंने कहा यदि जिस दिन हमें अपनी भाषा बोलने पर गौरवान्वित हो उसे दिन समझ जाएंगे कि हम विकसित हो चुके हैं भारत का सौंदर्य है भाषिक विविधता भाषा सहचार्य का भाव जागृत करती है।एक रस में जिया नहीं जा सकता भाषाओं में जो विविधता है वह विस्तार करती है समृद्ध करती है हिंदी साहित्य के इतिहास के समय सीमा पर संक्षिप्त चर्चा की। यह भाषा की समृद्धि ही है कि लगभग 160 देश में हिंदी पढ़ाई जाती है,मनुष्य जहां भी जाता है वह अपने साथ अपनी भाषा को भी साथ लेकर जाता है रोजगार हिंदी में निरंतर बढ़ रहे हैं मनोरंजन व सिनेमा भाषा की ताकत है कि वह अन्य भाषा को अपनाते हैं यह भाषा की सुंदरता है कि लोग उस भाषा को बोलना भी नहीं जानते परंतु सिनेमा के कारण उस भाषा को ग्रहण करते हैं सिनेमा , व्यवसाय, पर्यटन के माध्यम से भाषा तमाम बंधनों को तोड़ते हुए आगे विकसित हो रही है भाषा पानी की तरह है गतिमान होती है ,पवित्र होती है और संचित करती है। उसी के साथ उन्होंने अपनी व्याख्यान पर विराम दिया। अंत में डॉ विनीता रानी ने हिंदी भाषा की समृद्धि पर चर्चा की। यह व्याख्यान ज्ञानवर्धक रहा और सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

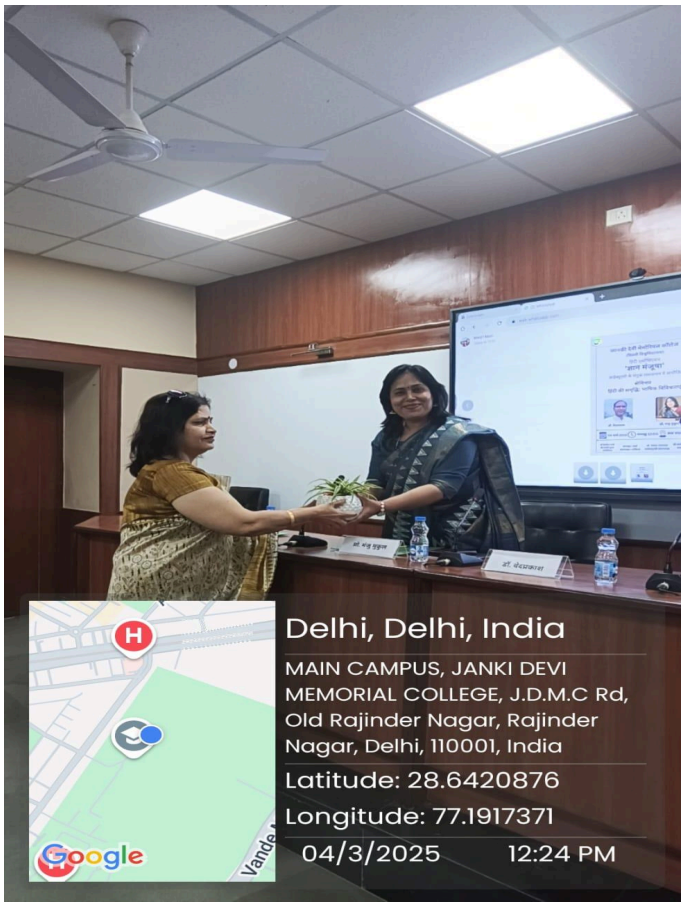
Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110001, India
Latitude: 28.6420876
Longitude: 77.1917371
04/3/2025 12:24 PM
Google

JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE
Delhi, Delhi, India
Staff quarters, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, 110060, India
Latitude: 28.6422963
Longitude: 77.1917633
04/3/2025 1:02 PM

हिंदी ऐसोसिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक- 6 मार्च 2025

विषय- स्त्री लेखन और चुनौतियां।

दिनांक 6 मार्च 2025 को 12:00-1:30 बजे हिंदी ऐसोसिएशन "ज्ञान मंजूषा" द्वारा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के कक्ष संख्या 17में व्याख्यान आयोजित किया गया।व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता डॉ अनामिका जी का संक्षिप्त परिचय और लघु पादप देकर उनका स्वागत किया गया। व्याख्यान का आरम्भ संवाद व जिज्ञासा भरे प्रश्नों के साथ हुआ। उन्होंने कहा स्त्रीवाद एक ऐसा आंदोलन है जिसने खून नहीं बहाया बल्कि समाज में जागरूकता फैलाने का काम किया हैउन्होंने कहा की स्त्री- पुरूष बीच भेड़-बकरियों वाला संबंध ना रहे मित्र का,प्रेम का संबंध हो,आज की स्त्री पहले की स्त्री की अवस्था में आ गई है। डॉ भीमराव अंबेडकर जी महिला की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए हिंदू कोर्ट बिल पास करवाने की कोशिश की। धर्म महिलाओं को किस प्रकार से सख्त करती है या पीछे खींचती है इस प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि हर धर्म में महिलाओं को पूरा अधिकार है परंतु जो धर्म के ठेकेदार बने बैठे हैं सत्ता धारकों ने धर्म की किताब को अपने सुविधा अनुसार उसका अनुवाद करके महिलाओं से उसका अधिकार छीन लिया है। स्त्री लेखन खुलकर नहीं हो पाने का कारण है कि हमारा समाज स्त्रियों से 'मन की मन राखो' की उम्मीद रखता है। स्त्रियों को चुप कराया जाता है उन्हें अपने आप को अभिव्यक्त करने का मौका नहीं मिलता। इसीलिए लड़कियां खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाती थी परंतु अब धीरे-धीरे परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने सभागार में उपस्थित सभी छात्राओं को लेखन के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में डॉ विनीता रानी ने ध्यानवाद ज्ञापन किया। यह व्याख्यान ज्ञानवर्धक रहा और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.641986° Long 77.191458°
06/03/2025 12:40 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.642046° Long 77.191529°
06/03/2025 12:42 PM GMT +05:30
Google

ज्ञान मंजूषा
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Main Campus, Janki Devi Memorial College, J.d.m.c Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.641974° Long 77.191516°
06/03/2025 01:33 PM GMT +05:30
Google

हिंदी एसोशिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक -26, मार्च 2025

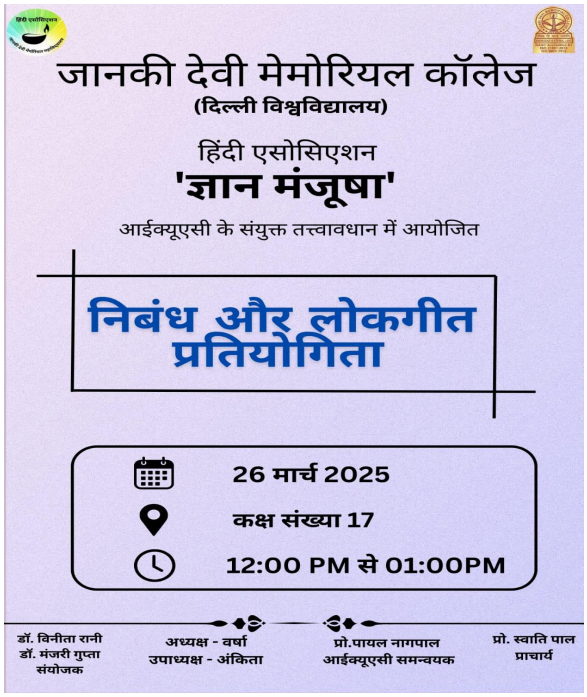

विषय- निबंध और लोकगीत प्रतियोगिता।

हिंदी एसोसिएशन 'ज्ञान मंजूषा' द्वारा दिनांक 26 .3. 2025 को निबंध व लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'पर्यावरण' था । छात्राओं ने निबंध प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रथम द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से छात्राओं को सम्मानित किया गया।
लोकगीत प्रतियोगिता में छात्राओं ने अनेक लोकगीत गया। इन लोकगीतों के माध्यम से विभिन्न लोग समाजों का परिचय प्राप्त हुआ ।इस प्रतियोगिता में भी छात्राओं को प्रथम प्रतियोगिता तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हिंदी एसोशिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक -28, मार्च,2025

विषय- वार्षिक खेल दिवस।
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में 28 मार्च, 2025 को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया । वार्षिक खेल दिवस में अनेक प्रतियोगिता में छात्राओं ने भाग लिया तथा अन्य विद्यार्थियों द्वारा रस्साकशी , योग, एरोबिक सेल्फ डिफेंस आदि का प्रदर्शन किया गया ।खेल दिवस पर 'ज्ञान मंजूषा' द्वारा हिंदी विभाग की छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। हिंदी विभाग को मार्च पास्ट प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

Janki Devi Memorial Coll
हिन्दी

हिंदी एसोशिएशन
"ज्ञान मंजूषा"
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय

दिनांक -28, अप्रैल 2025

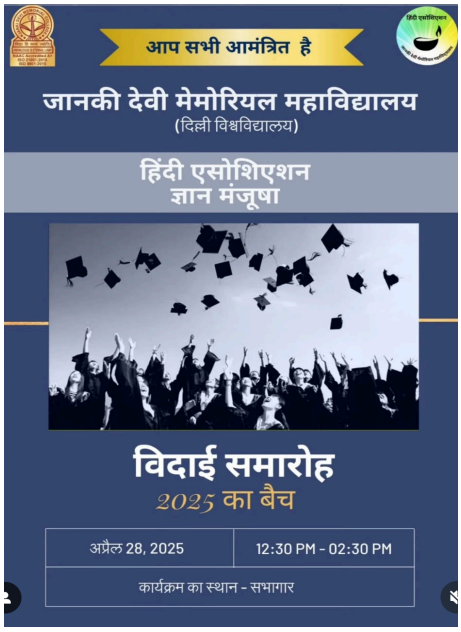

विषय- विदाई समारोह
दिनांक 28 अप्रैल, 2025 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के ऑडिटोरियम में तृतीय वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। हिंदी एसोसिएशन 'ज्ञान मंजूषा' की संयोजिका डॉ. विनीता रानी और डॉ. मंजरी गुप्ता ने उपस्थित सभी छात्राओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में तृतीय वर्ष की छात्राओं ने रैंप वॉक किया

तथा नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने भी अनेक मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में निर्णायक डॉ रजनी अनुरागी व डॉ. राहुल प्रसाद थे। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से छात्राओं को सम्मानित किया गया।